एकल नारी शक्ति संस्थान, राज.

वार्षिक रिर्पोट
2019-2020

क्षेत्रिय कार्या0-3-पीपल्दा हाऊस, राजभवन रोड़, कोटा (राज0) 324001, पंजिकृत कार्या0-39 खारोल कॉलोनी, उदयपुर (राज0)
फोन: 0744.2450726, ई-मेल : ensskota@gmail.com, web.:www.strongwomenalone.org

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण	पेज नं0
1.	➢ आवरण पृष्ठ	0
2.	➢ अनुक्रमणिका	1
3.	➢ संस्थान की पृष्ठभूमि, लक्ष्य, उद्देश्य	2
4.	➢ सफल केस स्टडी –सरकारी हॉस्पीटल की अव्यवस्थाओं को लेकर......	3
5.	➢ सस्थान की वार्षिक मुख्य गतिविधिया	3–4
6.	➢ बैठके – संस्थान कार्यकारिणी व आमसभा सदस्य बैठक	4–5
7.	➢ सफल केस स्टडी – प्राईवेट व फर्जी कम्पनियों की लूट से बचाया.....	5
8.	➢ विशेष कार्यक्रम – ▪ संस्थान के दो दशक का सफर उत्सव व बहिनादूज	6–8
	▪ केस स्टडी – अब बहिनों की बारी है, पंचायत मे नारी ...... ▪ केस स्टडी – परेशान करने वाले मंगेतर से पिछा छूड़ाया....	9
	▪ मतदाता जागरुकता अभियान ▪ महिला सशक्तिकरण दिवस ...	10 11
9.	➢ सफल केस स्टडी – हम महिलाऐं क्यों दे शौचालय का पैसा....	11
10.	➢ सफल केस स्टडी – उसको लगा अनपढ़ महिला क्या समझती होगी....	12
11.	➢ महिला एंव बाल स्वास्थय –	13
12.	➢ एकल महिलाओं ने किया थानों का शैक्षणिक भ्रमण......	14
13.	➢ अन्य संस्था संगठनों के साथ नेटवर्किंग	15
14.	➢ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र	15
15.	➢ सस्थान की उपलब्धियॉ	16
16.	➢ एकल महिलाओं की पंचायतीराज चुनाव मे भागीदारी...	17–20
17.	➢ इस वर्ष के मुद्दे ...	20
18.	➢ एकल महिला लाभार्थियों के आंकडे –	21–23
19.	➢ चुनौतियॉ	23
20.	➢ संस्थान के वोलियन्टर्स की सूची	24–27
21.	➢ मिडिया कवरेज	28

एकल नारी शक्ति संस्थान– राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन
1 अप्रेल 2019– 31 मार्च 2020

❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की गरीब मजबूत एकल महिलाओ की मजबूत संस्थान है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से पिछले 18 वर्षो से कार्य कर रही है।

सस्थान द्वारा एकल महिलाओं के सशक्तिकरण, उन्हें मजबूती प्रदान करने व एकल महिलाओं के समस्या समाधान के उद्देश्य से 1 अप्रेल 2019 से 31 मार्च 2020 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां क्रियान्वित की गई। जिसमें एकल महिलाओं की बैठके, प्रशिक्षण आदि कई गतिविधिया शामिल है।

संस्थान का लक्ष्य

सभी समाज की गरीब एकल महिलाऐं पारस्परिक सहयोग से अपनी शारीरिक मानसिक,पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक एंव कानूनी स्थिति में सुधार लाकर सशक्त नागरिक बने ौर गुणवत्तापूर्ण जीवन जीयें। इस संघर्ष की प्रक्रिया में अपने में और समाज में शक्ति का संचार करे।

संस्थान के उद्देश्य

- ❒ एकल महिलाओं को सम्मान से जीने का अधिकार दिलाना।
- ❒ सम्पत्ति और जमीन का अधिकार दिलाना और उन्हें अत्याचार से मुक्ति दिलाने का प्रयास।
- ❒ एकल महिलाओं मे शक्ति का संचार हो सके, इसलिए उन्हे एकल नारी शक्ति संस्थान से जोड़ना व संगठित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित करना।
- ❒ एकल महिलाओं से जुड़ी पारंपरिक कुरितियों एंव रुढ़िवादिता मे बदलाव लाना।
- ❒ एकल नारी हितैषी योजना/कानून लागू करवाना एंव बेहतर क्रियांवयन करवाना।
- ❒ कानून की नितियों एंव सरकारी योजनाओं से लांभान्वित करने के लिए एकल महिलाओं की मदद करना।
- ❒ सामूहिक प्रयास से आय संवर्धन योजनाओं को लागू करवाना, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके।

सफल केस स्टडी

सरकारी हॉस्पीटल की अव्यवस्थाओं को लेकर एकल महिलाओं ने उठाई आवाज

- **महिला रोग विशेषज्ञ व महिला सोनोग्राफर की मांग ।**
- **स्टाफ की कमी के लिए भी उठाया मुद्दा**

जिला भरतपुर तहसील बयाना मे तहसील स्तरीय सरकारी अस्पताल की अव्यवस्थाओं व मरीजों को आवश्यक सुविधाऐं नहीं मिलने की स्थिति मे लोगों को बहुत पेरशानियों का सामना करना पड़ रहा था, स्थिति की गंभीरता को देखते हुऐ एकल नारी शक्ति संस्थान की वोलियन्टर फूलवती देवी ने अस्पताल मे मरीजो को आ रही समस्याओं का मुद्दा उठाया। दिनांक 14 दिसम्बर 2019 को बयाना की संस्थान वोलियन्टर फूलवती देवी जो कि पूर्व संस्थान की कार्यकारिणी सदस्य भी है, उनकी अध्यक्षता में एकल महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय के बहार धरना दिया व सरकारी अस्पताल मे स्टाफ की कमी, सोनोग्राफी मशीन का नही होना, व महिला विशेषज्ञ नहीं होने का मुद्दा उठाया व समास्याओं का ज्ञापन दिया। उपखण्ड अधिकारी ने एकल महिलाओं को आश्वासन दिया कि जल्दी ही मांगो को पूरा किया जायेगा।

संस्थान वोलियन्टर के नैतृत्व मे एकल महिलाओं की मॉग पर 15 दिन के अन्दर अस्पताल मे महिला रोग विशेषज्ञ, महिला सोनोग्राफर, व सोनोग्राफी मशीन व आवश्यक स्टाफ लगाया गया। अस्पताल प्रशासन व लोग अब संगठन की बहुत सराहना कर रहे है कि इन बहिनों ने मिलकर अस्पताल व्यवस्थाओं को सुधार दिया।

संस्थान की मुख्य वार्षिक गतिविधियॉ

वर्ष मे आयोजित की गई महत्वपूर्ण बैठके :

क्रं0 सं0	गतिविधि विवरण	उद्देश्य	संभागी
1.	**पंचायत स्तरीय बैठके** संस्थान वोलियन्टरर्स द्वारा समय–समय पर आवश्यकतानुसार 475 पंचायत मे एकल महिलाओं की बैठक आयोजित की गई।	पंचायत व गांव स्तर पर एकल महिलाओं से सीधा सम्पर्क, अधिक से अधिक एकल महिलाओं की समस्याओ का समाधान, योंजनाओं की जानकारी, पंचायत स्तरीय मुद्दे उठाना व पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं को संगठित करना ताकि वो मजबूत बन सके और उनका आत्मविश्वास बढ़ सके।	▪ एकल महिला: 49,755 ▪ अन्य महिला : 14,155 ▪ पुरुष : 5165 ▪ जनप्रतिधि अन्य सरकारी कर्मचारी : 2296

संस्थान वोलियन्टरर्स व कार्यकर्ताओं द्वारा पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं के मुद्दों व समस्याओं के समाधान को लेकर बैठके की गई

संस्थान वोलियन्टरर्स संस्थान के कार्य की आगामी आयोजना बनाते हुए –

❒ संस्थान कार्यकारिणी सदस्यों की बैठके आयोजित –

एकल नारी शक्ति संस्थान की 2019–2020 मे 3 कार्यकारिणी सदस्य बैठके आयोजित की गई। जिसमें कुल 35 संभागियो ने भाग लिया। बैठक मे कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा संस्थान के कार्य की आगामी आयोजना, कार्य निति , संस्थान के कार्यकारिणी सदस्य चुनाव पर चर्चा, दानदाता संस्थाओं की पहचान व प्रपोजल भेजने पर चर्चा, नये निति नियम बनाना, संस्थान की वित्तीय स्थिति पर चर्चा, नये कार्यकर्ताओ की नियुक्ति व पुरानो का मूल्यांकन, एपीपीआई दानदात्री संस्था से आने वाले चन्दे, प्रपोजल, पर चर्चा, संस्थान मे आने वाली चुनौतियॉ समस्याओं के समाधान पर चर्चा।

❒ संस्थान आमसभा सदस्य बैठक –

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा 7 दिसम्बर, 2019 को आस्था संस्थान, उदयपुर मे संस्थान आमसभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमे आडिटर का चयन, वार्षिक सदस्यता रशीद

आमसभा बैठक मे कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव के बाद नयी कार्यकारिणी

काटना, संस्थान के लिए मार्गदर्शन, वित्तीय स्थिति पर चर्चा व कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव आयोजित किया गया। जिसमें 4 पदाधिकारी व 7 कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया साथ ही कार्यकारिणी मे जीनी श्रीवास्तव व चन्द्रकला शर्मा को भी कार्यकारिणी सदस्य के लिए मनोनित गया।

सफल केस स्टडी

प्राईवेट व फर्जी कम्पनीयों की लूट से बचाया....

- **प्राईवेट फाईनेन्स कम्पनी लोन के नाम पर मनचाही रकम वसूल रही थी**
- **संस्थान वोलियन्टर्स ने एकल महिलाओं का पैसा दिलवाया वापस ।**
- **पंचायत की बैठक मे आयी समस्या निकलकर ।**

संस्थान हमेशा से ही एकल बहिनों व अन्य लोगों को फर्जी व चिटफन्ड कम्पनियों से सावधान व सजग रहने के लिए समझाता आया है। परन्तु थोड़े लाभ के चक्कर में हम ऐसे लोगो के चंगुल मे उलझ ही जाते है। जिससे हमारा बहुत आर्थिक व मानसिक दोनो ही बहुत नुकसान हो जाता है। ऐसा ही एक मामला अलवर जिलें की थानागाजी तहसील के बुडियावास पंचायत का निकलकर आया। पिकीं तवंर 30 वर्षीय परित्यकता महिला है जो कि पिछले 2 साल से सस्थान के साथ जुड़ी है। उसने जनरल फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, अलवर कम्पनी से ग्रुप मे 20 हजार रुपये का लोन लिया था। जिसके बदले कम्पनी वालों ने पिंकी से तीन खाली ब्लेंक चेक साईन किये हुऐ ले लिए। पिंकी द्वारा सारा लोन चुका दिया गया। अब डेढ़ साल बाद पिंकी के पास कम्पनी वालो का कॉल आया कि 2000 रुपये तुम्हारी तरफ निकल रहे है, ओर तुम्हें जमा करवाने है। पिंकी ने 2000 रु बिना सोचे समझे जमा करवा दिये। फिर वापस कॉल आया कि 2000/ जमा करवाओं नही तो तुम्हारें चेक लगा देगे । ओर तुम्हें जेल हो जायेगी। पिकीं डर गई वो कई माह से कम्पनी वालों से चेक वापस लेने के लिए चक्कर लगाती रही। परन्तु उनकी कान पर जूँ तक नही रेंगी। व उसे धमकाते रहे कि पैसा तो जमा करवाना ही होगा। पिंकी मानसिक रुप से बहुत परेशान हो गई। उसके साथ कई ओर भी महिलाऐं जुड़ी थी। उनके साथ भी ऐसा ही हो रहा था। वह सब भी चेक लगाने के डर से पैसा जमा करवाये जा रही थी।

अब पिंकी द्वारा पेरशान होकर यह सारी बात दिसम्बर 2019 को पंचायत स्तरीय मिटिंग मे एकल महिला लीडर को बताई ओर रोने लगी। सभी बहिनों ने कहॉ कि यह गलत है कम्पनी वाले ऐसे तो कितने मजबूर लोगों को लूट रहे होगे। हमें कुछ करना चाहिए। फिर कार्यकर्ता अकीला बानो, पिकीं व एक एकल महिला अलवर मे कम्पनी के आफिस पहुँचे। ओर उनसे सख्ती से बात की ओर कहा कि आप महिलाओं को पागल बना रहे है, जब समूह मे लोन लिया है तो आपने ने ब्लेंक चेक क्यों लेकर रखे है, हम आपके खिलाफ कार्यवाही करेंगे। ओर संस्थान का पूरा परिचय दिया। ऐसे मे उन्होंने पिकीं के 3 चेक व दो–दो हजार रु लिए थे वो भी वापस लोटाए। अब पिकीं बहुत खुश हैं। इस बात मे कोई दो राय नही है कि संस्थान मे एकल महिलाओं की शक्ति व एकता के आगे अच्छे–अच्छें को मुंह की खानी पड़ती है।

विशेष कार्यक्रम

संस्थान द्वारा एकल महिलाओं के संघर्ष के सफर व बहिनचारें के जश्न "बहिनादूज" का राज्य स्तरीय उत्सव

- **संस्थान द्वारा राजधानी जयपुर मे मनाया महाउत्सव –**

संस्थान द्वारा एकल महिलाओं को संगठित होकर अपने हक, अधिकारों के लिए संघर्ष के सफर को दो दशक (20 वर्षो) पूरे होने व इस चुनौति व उपलब्धि भरे सफर का महाउत्सव "**बहिनादूज जश्न बहिनचारें के**" रुप मे एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा दिनांक 5–6 नवम्बर, 2019 को आदर्श हितकारिणी ट्रस्ट, सेवा सदन, आदर्श नगर, जयपुर मे मनाया गया। जिसमें राजस्थान के 31 जिलों व अन्य 4 राज्यों (हिमाचल, गुजरात, झारखण्ड व पश्चिम बंगाल) की 536 एकल महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री **माननीय श्री अशोक गहलोत जी** और विशेष अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री ममता भुपेश बैरवा रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन की अध्यक्ष लाली धाकड़ द्वारा की गई। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री, महिला बाल विकास मंत्री व कनेडियन हाईकमीशन डिप्टी डायरेक्टर डियरड्री द्वारा किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत उद्बोधन देते

कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री जी का एकल बहिनों के लिए सम्बोधन

"एकल नारी शक्ति संस्थान/संगठन के 20 वर्षों के सफर में 70 हजार बहिनें जुड़ी हैं। यह कम नही हैं। इस संस्थान को महिलाओं ने जिस तरह मिलकर आगे बढाया है यह बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि सरकार हमेशा एकल महिलाओं के साथ है और उनके व उनके परिवार की खुशहाली के लिए काम करने के लिये प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दुर्गास्वरूपणी बताते हुए सरकार के सामाजिक बदलाव के कार्यों में उनके सहयोग के लिये आग्रह किया। उन्होंने बाल विवाह, सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने, गांव ढाणी में घूंघट की प्रथा समाप्त करने और ऑनर किलिंग रोकने के लिए महिलाओं को आगे आने के लिए कहा"।

माननीय मुख्यमंत्री
अशोक गहलोत, राज0 सरकार

म0बा0वि0मंत्री श्रीमती ममता भूपेश कार्यक्रम मे एकल महिलाओं को सम्बोधित किया

एकल महिलाओं के इस रंगबिरंगे कार्यक्रम में शामिल होना गौरव की बात है। आप लोगों को देख कर लगता है कि बदलाव आ गया है। सरकार भी सामाजिक बदलाव के लिए कई कदम उठा रही है इनमें से एक महत्वपूर्ण कदम राज्य की बच्चियों को स्वरक्षा प्रशिक्षण देना है। ताकि मुसीबत के समय वह अपनी स्वरक्षा कर सके।

सुश्री ममता भुपेश बैरवा
मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग, राज0 सरकार

कार्यक्रम मे मा0 मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मा0 म0बा0वि0 मंत्री ममता भूपेश, कनाड़ा हाई कमीश्नर सुश्री डियर ड्री केन्ट, किताब का विमोचन करते हुऐ

कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि कनेडियन उच्चायोग से डिप्टी हाईकमिश्नर सुश्री डियरड्री केन्ट ने कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह उनकी शक्ति व उर्जा देखकर बहुत प्रभावित है और महिलाओं के सशक्तिकरण व लिंग समानता के कार्य में हमेशा आपके साथ है। इसी कार्यक्रम मे एकल महिलाओं के 20 सालों के संघर्षो ओर सफल बदलावों को समाहित पुस्तिका **''एकल नारी बदलाव की मिशाल''** का विमोचन भी किया गया।

बहिना दूज ''जश्न बहिनचारें का'' कार्यक्रम संस्थान द्वारा पिछले 4 वर्षो से मनाया जाता आ रहा है। यह पर्व समाज मे वर्षो से चली आ रही पितृसत्ता की सोच को चुनौती देने के लिए एकल महिलाओं की एक अनुठी पहल है। महिलाऐं सदियों से पिता, पति, बेटे या भाई के रूप में पुरुषों के प्रति अपना स्नेह, पूजा व सेवा एवं उनकी लम्बी आयु की कामना के रूप में कई त्यौहारों मनाती व दर्शाती आ रही है। परन्तु जब यह महिलाऐं एकल हुई तब उन्होंने महसूस किया कि इन सभी रिश्तों ने जब उनका साथ छोड़ दिया, तो वे एकल बहिनें ही थी जो उनके साथ सहारा बनकर खडी रही। इसलिए संस्थान ने भाई दूज की तरह बहिना दूज भी मनाने का निर्णय लिया और पिछले चार सालों से यह पर्व पूरे उत्साह व उल्लास के साथ मनाया जाता है। ओर इसी पर्व मे सभी जाति, धर्म, समुदाय की एकल महिलाऐं लाल चून्दड़ी ओढ़कर अपना मनचाहा श्रृगांर कर बडें धूमधाम से यह त्यौहार मनाती है। ओर एक दूसरे का हाथ पकड़कर व गले मिलकर बहिन–बहिन के रिश्ते को मजबूत करने व हर दुख सुख मे साथ देने का वादा करती है। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस मे समाज

एकल महिलाओं को सम्मानित करते हुए म0अ0वि0 निदेशक श्री पी0सी0 पवन , डा0 जगदीश प्रसाद शर्मा व रिटायर्ड आरएएस अधिकारी डा0 राजेश यादव

व एकल महिलाओं के सशक्तिकरण व बदलाव के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली एकल महिलाओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें महिला अधिकारिता विभाग निदेशक श्री पीसी पवन जी व अति0 निदेशक डा0 जगदीश प्रसाद शर्मा व रिटायर्ड आरएएस अधिकारी सुश्री डा0 राजेश यादव ने भाग लिया। सम्मान समारोह मे 25 एकल महिलाओं को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह मे जब सीकर जिले की रामेश्वरी देवी को सम्मानित किया गया तो रामेश्वरी देवी ने कहा ''कि संगठन के कारण हमें आज इतना सम्मान मिल रहा है, वरना समाज ने तो हमें हाशिये पर ला खड़ा कर दिया था, आज हम इस लायक बन गये कि स्वयं के लिए ओर दूसरों के हक के लिए लड़ सकते है।

एकल महिलाओं को सम्बोधित करते हुए महिला अधिकारिता विभाग निदेशक श्री पी0सी0 पवन जी ने कहा कि ''आप सशक्त महिलाऐं है ओर दुनिया बदलने की शक्ति रखती है, ओर महिला सशक्तिकरण के लिए हमारा विभाग हमेंशा तत्पर है, एकल महिलाओं को महिला अधिकारिता विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गईं। साथ ही महिला अधिकारिता विभाग उपनिदेशक डा0 जगदीश प्रसाद शर्मा ने अपने सम्बोधन मे कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के लिए बहुत संवेदनशील है। जिसने महिलाओं के लिए 1000 करोंड़ का बजट रखा हैं, हम चाहते है कि महिलाओं के लिए एक नई योजना बने। साथ ही उन्होंने राजस्थान के लिंगानुपात पर भी प्रकाश डाला ओर कहा कि कन्या भ्रुण हत्या रोकने मे संगठन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में डा0 जीनी श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम समापन टिप्पणी मे कहॉ गया कि आज के समय मे बहिन–बहिन के रिश्ते को मजबूत करने की बहुत आवश्यकता है। हम सब का धर्म इंन्सानियत है, हम सब शान्ति चाहते है। इसलिए संगठन की बहिनों को समाज मे प्रयास कर बहिनचारें को बढ़ाना है। दे दिवसीय कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष लाली धाकड, उपाध्यक्ष मंशा देवी, नन्दकंवर तंवर, व ममता देवी द्वारा किया गया।

मेडिकल चेकअप केम्प

बहिनादूज कार्यक्रम के दोरान केजरी हेल्थ सेन्टर, रुवा संस्थान, सेन्टर फॉर इक्विटी सेन्टर द्वारा 135 एकल महिलाओं को स्वास्थय चेकअप, मेडिसीन व परामर्श दिया गया।

राजस्थान केन्सर रिलिफ सोसायटी के डाक्टर्स द्वारा महिलाओं के केन्सर सम्बन्धी जॉच की गई, व केन्सर के लक्षण व बचाव के उपाय के बारें मे जानकारी दी गई।

केम्प मे हेल्थ चेकअप करवाती एकल महिला सदस्याऐं

महिला ड्राईवर बूथ

बहिनादूज कार्यक्रम के दोरान आजाद फाउन्डेशन, जयपुर द्वारा महिला ड्राईवर को बढ़ावा देने हेतू स्टाल लगाया गया। जिसमे एकल महिलाओं को जानकारी दी गई की कैसे महिलाऐं ड्राईविंग लाईन मे रोजगार के लिए आगे आ सकती है। व आजाद फाउन्डेशन द्वारा दिये जाने वाले प्रशिक्षणों के बारें मे लगभग 400 एकल महिलाओं को जानकारी दी गई। जिसमें कई संगठन सदस्याओं ने अपनी बेटीयों को प्रशिक्षण की बात कही।

सफल केस स्टडी

अब बहिनों की बारी है, पंचायत मे नारी है......

मांनकंवर निवासी दिल्लीपुरा पंचायत, ब्लाक सांगोद, जिला कोटा की निवासी है व संस्थान मे एकल महिला वोलियन्टरर्स भी है, काफी वर्षो से एकल महिलाओं के लिए कार्य कर रही है। मांनकंवर की अपने काम से काफी पहचान है ओर अपनी पंचायत मे पूरी दबगंई से काम करती है। इस बार पंचायतीराज के चुनाव मे संस्थान द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान के तहत् सशक्त महिलाओं को जागरुक किया कि वो भी चुनाव मे भागीदारी कर सकती है। और फिर इस बार मांनकंवर वार्ड पंच के लिए चुनाव मे खड़ी हुई, उसके सामने उसकी राखी बंध भाई की पत्नि खड़ी हुई जिससे भाई बहुत नाराज हुआ ओर बोला की बैठ जा नही तो हमारा रिश्ता खत्म हो जायेगा परन्तु मांनकंवर ने बोल दिया कि अपनी बहिन के लिए आप भी तो अपनी बीवी को बिठा सकते हो यह तो मेरा अधिकार है, मै किसी हाल मे नही बैठूगी व चुनाव लड़ूंगी। फिर क्या था मांनकंवर के खिलाफ काफी शिकायत हुई की 4 बच्चे है, शौचालय कच्चा है आदि आदि। मांनकंवर के पति ने दो शादी की थी ओर दो बच्चे उसके थे। आखिर सारी मुसीबते पार कर मांनकंवर चुनाव मे खड़ी हुई ओर अच्छे वोटो से जीत गई। फिर उपसरपंच का चुनाव होना था तो विरोधी पार्टी ओर मांनकवर के एक जैसे वोट आ रहे थें तो फिर एक 8 साल की लड़की से पर्ची डलवाकर चुनाव किया जिसमें मांनकवर का नाम आया। ओर मांनकंवर उपसरपंच के लिए जीत गई। अब उसकी आंखो मे ख़ुशी की आंसू थे। उसके साथ सारी एकल महिलाऐं थी। फिर गांव मे एकल महिलाओं व अन्य लोगो ने जोरदार जुलूस निकालकर मांनकंवर का स्वागत किया। मांनकवंर कहती है कि आज संस्थान ने दी हिम्मत व आत्मविश्वास की वजह से मै यहॉ हूॅ अब में एकल महिलाओं के लिए ज्यादा मजबूती से काम कर सकती हूॅ ।

सफल केस स्टडी

परेशान करने वाले मंगेतर से एकल महिला की लड़की को दिलवाया छुटकारा

सरजू बाई

प्रतापगढ़ धरियावद तहसील की गोती बाई विधवा एकल महिला है उसकी बेटी की सगाई 2–3 साल पहले परमेश्वर नाम के व्यक्ति से हो चुकी थी। वह उसे फोन पर आये दिन परेशान करता रहता था। ओर गाली गलोच करता था। उसकी मॉ के लिए भी कहता था कि तेरे साथ– साथ तेरी मॉ को भी मे ही रख लूंगा। दोनों मॉ बेटी ने बहुत परेशान होकर संस्थान की वोलियन्टर लीडर सरजू बाई को अपनी परेशानियॉ बतायी। अन्य एकल बहिनों ने कहा कि ऐसे आदमी को सबक मिलना चाहिए। सभी बहिनें मिलकर प्रतापगढ महिला थाने पहॅुची ओर अपनी बात बतायी। गोती बाई की बेटी के मंगेतर को थाने मे बुलाया गया।

जब गोती बाई की बेटी का मंगेतर आया तो लम्बी चोड़ी 3 लाख के खर्चे की लिस्ट लेकर आया कि मैंने इन दो तीन साल मे यह खर्चा किया है। वह मुझे वापस दिलवाओं तब मे यह रिश्ता खत्म करुगां नही तो दूसरी शादी भी नही होने दूंगा। सभी बहिनों ने कहॉ कि तुने इन दोनों मॉ बेटी को इतनी मानसिक प्रताड़ना दी है। ओर इनके पास कोई पैसा नही है। इसलिए हम कोई पैसा नही देगें। गोती बाई ने 16000 रु उधार लिऐ थे उस आदमी से व चांदी की पावभर की पायजेब सगाई मे चढाई गई थी। वह भी वापस मांग रहा था। एकल बहिनों कहा कि तूने इनको इतना परेशान किया है, हम तेरे खिलाफ रिर्पोट दर्ज करवायेगें यह गरीब महिला कहॉ से पैसा वापस देगी। फिर थाने वालो ने संस्थान की मदद से गोती बाई की बेटी के मंगेतर को पाबन्द करवाया। जिसमें लड़के से लिखवाया कि वह आगे से परेशान नही करेगा व लड़की यदि कही शादी करना चाहती है तो कोई अड़चन पैदा नही करेगा। संस्थान की बहिनों ने 16000 रुपये व चांदी की पायजेब भी गोती बाई के पास हर्जाने के रुप मे ही रहने दी। अब दोनो मॉ बेटी बहुत ही खुश है।

मतदाता जागरुकता अभियान

''मेरा वोट मेरा अधिकार''

महिला का वोट महिला सुरक्षा, सम्मान व भविष्य के लिए

औरतें उठी नही तो जुल्म बढता जायेगा, आगे नही आई तो कोई भी यूं ही उनका वोट लूट ले जायेगा'' देश की आधी आबादी महिलाऐं हैं, जो सत्ता परिर्वतन की हिम्मत भी रखती है, फिर आधी आबादी देश मे भय, डर और असुरक्षा मे जी रही है तो महिलाओं का वोट उनकी ताकत और उनका संवैधानिक अधिकार है जिसे सोच समझ कर इस्तेमाल करना चाहिए। किसी के बहकावे या लालच मे आकर गलत व्यक्ति का चुनाव ना करे।

मतदाताओं को जागरुक करने के लिए संगोष्टी करते हुए संस्थान सदस्य

यही सन्देश महिलाओं को देते हुए एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा 4 अप्रेल, 2019 को 15 जिलों के 22 ब्लाक मे मतदाता जागरुक अभियान जनचेतना रैली व बैठको का आयोजन किया गया। जिसमे 1100 एकल महिला सहित अन्य महिला व अन्य सामाजिक संस्था /संगठनों ने भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के लिए डर और भय से मुक्त वातावरण, हिंसा मुक्त जीवन, सम्मान व सुरक्षित भविष्य और भेदभाव रहित जीवन के लिए महिला का वोट होगा । बहिनों ने कहा कि अब समय आ गया कि हम पार्टी को नही व्यक्ति को देखकर अपने वोट के अधिकार का उपयोग करें क्योंकि हम पार्टी को वोट देते हैं तो पार्टी जीतती है और व्यक्ति को वोट देते है तो जनता जीतती है। हम जाति, धर्म, परिवारवाद की राजनिति मे ना फंसे और अपना वोट किसी के दबाव मे ना देकर स्वंतन्त्र रुप से स्वयं के निर्णय से दे। सही सरकार चुने जो महिला, गरीब, वंचित, दलित, आदिवासीयो, अल्पसंख्यको की सुने और उनके विकास के लिए कार्य करे। एकल महिलाओं की मांगों व समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय स्तरीय ज्ञापन तैयार किया गया। जिसमें महिला सुरक्षा, पेंशन, राशन, रोजगार, शिक्षा, महिलाओं का भूमि व सम्पत्ति मे अधिकार जैसे मुद्दे शामिल किये। जिसे एकल महिलाओं के प्रतिनिधी मण्डल द्वारा सभी पार्टीयों के सांसद उम्मीदवार को दिया गया।

हम अपना अधिकार जानते नही किसी से भीख मांगते..।

धूमधाम से मनाया महिला सशक्तिकरण दिवस

एकल महिलाओं ने 23 जून को अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया

विधवा दिवस पर संस्थान की एकल महिला लीडर्स के सहयोग से सभी एकल बहिनों ने अपने–अपने गांव पंचायतो से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी के नाम अपनी समस्याऐं लिख कर पोस्ट कार्ड डाले ....।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र डालते हुए एकल महिलाऐं

23 जून को पूरे विश्व मे अर्न्तराष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया जाता है पिछले 4 वर्षो से संस्थान द्वारा 23 जून को अन्तर्राष्ट्रीय विधवा दिवस पर एकल महिला सशक्तिकरण दिवस मनाया जाता आ रहा है। इस दिन संस्थान से जुड़ी गरीब एकल बहिनो ने अपनी–अपनी ग्राम पंचायत, ब्लाक, जिले पर संगोष्ठी कर प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी को अपनी समस्या लिखकर पोस्ट कार्ड डाले व जहा ज्यादा समस्याऐ थी वहा उच्च अधिकारियों को एकल महिलाओं की समस्याओ का ज्ञापन सौंपा।

पोस्ट कार्ड एकल महिलाओ द्वारा पेंशन राशि बढ़ाने ,आवास, खाद्य सुरक्षा व एकल महिलाओ की व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर लिखे गये। राजस्थान मे कुल **5072** पोस्ट कार्ड एकल महिलाओ द्वारा डाले गये।

सफल केस स्टडी

हम महिलाऐं क्यों दे शौचालय के उपयोग का पैसा

जब सरकार कर रही है करोंड़ो रुपये महिलाओं के लिए शौचालय बनाने मे खर्च तो हम क्यों दे? सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय उपयोग का पैसा – फूलवती देवी व एकल महिलाऐ

जब बहिनादूज जश्न बहिनचारें का उत्सव मनाकर दिनांक 6 नवम्बर, 2019 को भरतपुर जिले के बयाना ब्लाक की 10–12 एकल महिलाऐं जयपुर से बयाना पहुॅची। तो स्टेंशन पर शौचालय उपयोग के लिए अन्दर जाने लगी तो गार्ड ने कहॉ की पहले 10 रु दो फिर शौचालय उपयोग करने दूंगा। सभी एकल बहिनों ने कहा कि किस बात के पैसे मांग रहे हो यह तो सरकारी है। सरकार तो जगह–जगह महिलाओं के लिए शौचालय बना रही है। हम कोई पैसा वैसा नही देगें ओर यह देखो अभी तो हम सब मुख्यमंत्री जी से मिलकर आ रही है। हम सब सशक्त एकल महिलाऐं है। ओर आपको किसी भी महिला से कोई पैसा नही लेना चाहिए। आखिर मे कॉम्पलेक्स वालें ने महिलाओं के आगे हार मानकर उन्हें निशुल्क कॉम्पलेक्स उपलब्ध करवाया।
जैसा कि हम सब जानते है कि सार्वजनिक स्थानों पर बने सुलभ कॉम्पलेक्सों मे महिलाओं से पेशाब करने जाने के भी 5 रु वसूले जाते है। जबकि यह सुविधा निशुल्क होना चाहिए। इसके लिए महिलाओं का विरोध वाजिब है।

उसको लगा कि गांव की अनपढ़ महिला क्या समझती होगी?

मैं अड़ी रही क्योंकि मेरी संस्था ने बढ़ाया मेरा आत्मविश्वास –मैना

मैना देवी, पीसांगन, अजमेर

मैना बाई एकल नारी शक्ति संस्थान से कई सालो से जुड़ी हुई है व ब्लाक वोलियन्टर भी है तह0 ब्यावर, जिला अजमेर की रहने वाली हैं। वह दिनांक 28.5.2019 को संस्थान की मिटिंग में शामिल होने के लिए घर से बस में चढ़ी थी। कुछ समय बाद कण्डेक्टर उसके पास आकर किराया मांगने लगा। मैना ने उसको 100 रूपये दिये लेकिन उसने उसे टिकट नहीं दिया। इस पर मैना ने बौला कि मुझे तो टिकट चाहिए क्यों की मुझे मेरे आफिस मे जमा करना होगा, लेकिन उसने मैना को टिकट नहीं दिया। इस प्रकार मैंना ने उससे 3–4 बार टिकट के लिए बोला तब जाकर उसने उसे दो टुकड़ों में फटा टिकट थमा दिया। फिर मैना ने कहा कि इसमें तो कहीं भी 45 रूपये नही लिखा है। मैं तो हमेशा 45 रूपये में जाती हूॅ। इसके बाद वो नाराज हो गया।

और कण्डक्टर ने मैना को 80 रूपये का बिना महिला की छूट वाला पुरूष वाला टिकट पकड़ा दिया। इस पर मैंना ने फिर उससे कहा कि ये टिकट तो पुरूष का है, मैं फर्जी साबित हो जाउंगी, ये टिकट नहीं चलेगा। मुझे 45 रूपये वाली ही टिकट चाहिऐ। ऐसा कहने पर कंडेक्टर मैना से झगड़ा करने लगा। परन्तु मैंना भी अपनी बात पर अड़ी रही तो वो बहुत गुस्सा हो गया और बीच जंगल में बस रोक कर मैना को वहीं उतारने लगा लेकिन सवारियों के विरोध के बाद उसने मैना को वापस बस में चढ़ा लिया और पीपलिया कलां गांव में जबरदस्ती उतार दिया। इस पर मैंना कण्डक्टर से बोली की ऐसे क्यों उतार रहे हो मैंने पैसे नहीं दिये क्या? तो कण्डक्टर मैना से हाथापाई करने लगा और जैसे ही मैना को थप्पड़ मारने लगा, मैंना ने उसे धक्का देकर दूर कर दिया। इसके बाद वो गुस्से में बस लेकर चला गया।
मैना यहां से जैसे तैसे बस स्टेण्ड पहुंची और वहां उस कंडक्टर के बारे में पता किया लेकिन उसे कोई जानकारी नहीं मिली तो मैना ने वहां से किसी व्यक्ति से पुलिस थाने के नम्बर लेकर फोन किया और सारी आप बीती पुलिस को सुनाई और संस्थान के बारे में जानकारी भी दी। उनको बताया कि फालना डीपो की बस है जिसमें वो कंडेक्टर था। कुछ ही समय में थाने से गाड़ी बस स्टेण्ड पर आई। मैंना ने थानेदार को सारी बात बतायी तब उन्होंने उसे रिपोर्ट लिखवाने के लिए थाने चलने को कहा लेकिन मैंना ने कहा कि मैं अभी मेरी संस्था की मिटिंग में जा रही हूॅ, मैरा वहां जाना जरूरी है तब थानेदार जी ने वहीं पर मेरी रिपोर्ट लिखी और कहा कि हम कंडेक्टर को ढूंढ लेंगे और मिलने पर हम आपको फोन करेंगे तब आपको पहचानने के लिए थाने आना पड़ेगा। मैना ने बिना डरे अपनी, बहादुरी का परिचय दिया। ओर कहा कि एकल नारी शक्ति संस्थान ने हमारा इतना आत्मविश्वास बढाया है कि मुश्किल से मुश्किल समस्या से लड़ सकते है।

अबला नहीं है एकल नारी, संघर्ष हमारा रहेगा जारी ..।

महिला एंव बाल स्वास्थ्य के मुद्दे पर स्वयंसेवी संस्थाओ के साथ बैठक :

मुख्यमंत्री के नाम अस्पतालों से सम्बन्धित समस्याओं पर ज्ञापन देने जाता स्वयंसेवी संस्थाओं का महिला प्रतिनिधी मण्डल

राजस्थान मे सरकारी जनाना अस्पतालों मे नवजात बच्चों के बढ़ते मौत के आकड़ो को लेकर आ रही समस्याओं व अव्यवस्थाओं के प्रति चिन्तित होकर संस्थान द्वारा कई ब्लाक व जिला स्तर पर व्यवस्थाओं को सुधार के लिए कदम उठाया। इसके लिए संस्थान द्वारा दिनांक 16.01.2020 को जनस्वास्थय अभियान राजस्थान के बेनर तले कोटा की स्वंयसेवी संस्था/संगठनों के साथ एकल नारी शक्ति संस्थान कार्यालय, कोटा मे जे0के0लोन अस्पताल मे अव्यवस्थाओं के कारण हुई मासूम बच्चों की मौत व अस्पताल मे तुरन्त प्रभाव से व्यवस्था सुधार के लिए बैठक की गई। जिसमें 12 संस्था/संगठनों के 40 से अधिक प्रतिनिधि संगठन लीडर्स व पिड़ित जिनके बच्चों की जे0के0 लोन अस्पताल मे मृत्यु हुई उन्होंने भी भाग लिया।

बैठक मे एकल नारी शक्ति संस्थान की गजराज कंवर ने कहाॅ कि अस्पताल प्रशासन का व्यवहार बिल्कुल ठीक नही है। ओर डाक्टर को घर पर दिखाते है तो प्यार से बात करते है पर अस्पताल मे जाते है तो ऐसे बात करते है जैसे आफत काट रहे हों। प्रेरणा संस्थान की कविता शर्मा ने कहा कि अस्पताल मे डिलेवरी के बाद अस्पताल स्टाफ पैसे की मॉग करता है, स्वंय सेवी संस्था संगठन के प्रतिनिधी अनवार अहमद खान, तेजप्रकाश जांगिड, शिमला गोतम, युधिष्टर चांनसी नासिर मो0, अब्दुल जलील, फिरोज भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक मे अस्पताल अव्यवस्थाओं को सुधार को लेकर व पिड़ितों को न्याय को लेकर चर्चा की व एकल नारी शक्ति संस्थान कार्यालय से संस्था /संगठनों का एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोंपा गया। ज्ञापन की मुख्य मांगे –

- अस्पताल मे हुई बच्चों की मृत्यु की मौत के कारणों संवेदनशीलता व गंभीरता से जॉच होनी चाहिए ओर पिड़ितो को मुआवजा मिलना चाहिए।
- जे0के0 लोन अस्पताल मे एक 24 घंटे शिकायत डेस्क होनी चाहिए जहॉ पिड़ित परिवार की शिकायत का तुरन्त प्रभाव से समाधान हो।
- प्राथमिक, द्वितीय व तृतीय स्तर की राजकीय स्वास्थय सेवाओं को अविलम्ब भारत जनस्वास्थय मानक हेतू स्थापित किया जाये। जिसमें वरियता प्राथमिक सेवाओं का दी जाये।
- सरकार के जनघोषणा पत्र के अनुसार तुरन्त प्रभाव से स्वास्थय अधिकार कानून पारित हो।

एकल महिलाओं ने किया पुलिस थानों मे शैक्षणिक भ्रमण :

संस्थान वोलियन्टरर्स द्वारा इस वर्ष नवम्बर 2019 में ब्लाक स्तर पर एकल महिलाओं को पुलिस थाना सम्बन्धित जानकारी व थानें का डर दूर करने के लिए के 80 पुलिस थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। जिसमें 1600 के लगभग एकल महिलाओं ने भाग लिया। सदस्यों द्वारा पुलिस थानें से सम्बन्धित कार्य, प्रक्रिया, महिलाओं से सम्बन्धित कानून, गिरफ्तारी सम्बन्धी नियम, महिला हिंसा केस, महिला डेस्क, महिला जैल, एफआईआर की प्रक्रिया आदि समझी गई। कुछ सदस्य कभी पुलिस थानें नही गई थी, उनमें पुलिस व थानें का लेकर मन मे एक डर था। लेकिन इस भ्रमण के बाद उनमें आत्मविश्वास आया व मन से डर भी दूर हुआ।

पुलिस थानों का भ्रमण करती एकल महिलाऐं

उठो लड़ो और आगे बढ़ो...
अपनी समस्याओं का तुम खुद समाधान करो...।
अबला नही हो तुम एकल नारी,
क्योंकि जीवन मे तुमने संघर्ष किया है भारी...।

अन्य स्वंयसेवी संस्था/संगठनों के साथ नेटवर्किंग

क्रं सं0	दिनांक	कार्यक्रम विवरण	संभागी
1	13 सित0 019	राजस्थान सरकार द्वारा समस्या समाधान, सम्पर्क पोर्टल के उद्घाटन, स्थान : जयपुर	7 संस्थान वोलियन्टरर्स ने भाग लिया।
2.	30 सितम्बर, 2019	राष्ट्रीय स्तरीय जमीन अधिकार मुद्दे पर राष्ट्रीय कार्यशाला, स्थान : युनिर्वसिटी, सभागार, उदयपुर	12 संगठन सदस्यों ने भाग लिया।
3	19 जनवरी, 2020	देश मे महिलाओं पर बढ़ती हिंसा पर कार्यशाला, द्वारा पीयूसीएल, जयपुर	5 संभागियो ने भाग लिया।
4	1–2 फरवरी, 2020	महिला हिंसा पर बैठक, अजमेर मे पीयूसीएल के द्वारा आयोजित बैठक मे भागीदारी निभाई।	2 संभागी
5	23 फर0 2020	मिलन मेला, कोटड़ा मे एकल महिला लीडर्स ने भागीदारी निभाईं।	60 संभागी

महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र – कोटा

राजस्थान सरकार द्वारा 2011 मे महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर संचालित करने की जिम्मेदारी एकल नारी शक्ति संस्थान को दी गई है। संस्थान पिछले 10 सालो से केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

जिसमे इस वर्ष 2019–2020 मे केन्द्र को 423 प्रकरण प्राप्त हुऐ व 417 मे सलाह, परामर्श व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया। मुख्य रुप से कुछ आकड़े है –

- 15 महिलाओ को स्त्रीधन दिलवाने मे सहयोग।
- 15 महिलाओ को उनके बच्चो की अभिरक्षा दिलवायी।
- 62 एफआईआर व पुलिस परिवाद दर्ज करवाने मे सहयोग जिनमे समस्या आ रही थी।
- 5 निराश्रित महिलाओं को आश्रय दिलवाया।
- 227 महिलाओं को वैवाहिक घर मे रहने के महिला अधिकारो का संरक्षण।
- 7 महिलाओ को विधिक सहायता दिलवायी।
- 5 महिलाओ को रोजगार से जोडा
- 5 महिला घरेलू हिंसा संरक्षण केस दायर करने मे सहयोग।
- 14 दहेज प्रकरण मामलों मे उचित कार्यवाही मे सहयोग।
- 11 हिंसा मुक्त समाज बनाने के लिए विचार संगोष्ठीयों कार्यशालाओं मे भाग लिया।
- 105 व्यथित महिला के संरक्षण हेतू सम्बन्धित व्यक्तियों पर पुलिस की पाबन्दी मे सहयोग।
- 8 कोर्ट से भरण पोषण आदेश प्राप्त करने मे सहयोग किया।
- अन्य विभिन्न प्रकार की समस्या मे सलाह, मार्गदर्शन व परामर्श के माध्यम से पिड़ित महिलाओं को सहयोग किया।

संस्थान की इस वर्ष उपलब्धियॉ

संस्थान सदस्यों द्वारा एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2019–2020

☞ सदस्यों द्वारा स्थानीय स्तर पर चन्दा की गई राशि केश व चेक :	2,49,049.00
☞ संस्थान का सदस्यता शुल्क :	2034.00
☞ सदस्यता शुल्क :	1,10,380.00
☞ बिल्ला 725 वितरण हुए जिसकी राशि :	14,500.00
☞ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, संचालन का आया :	2,75,174.00

इस वर्ष का कुल डोनेशन = 6,51,137.00

- संस्थान ने अपने स्तर पर चन्दा जुटाया – 6,51,137.00
- राज्य स्तर पर बहिनादूज कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर डोनेशन एकत्रित कर आयोजित किया गया। जिसमें सभी सहभागीयों ने अपना–अपना किराया वहन किया।
- संस्थान मे इस वर्ष कार्यनिति को लेकर कई विशेष निर्णय लिए गये।
- दिसम्बर 2019 मे नयी कार्यकारिणी के चुनाव आयोजित हुऐ ।
- पंचायतीराज चुनाव मे 43 एकल महिला लीडर्स ने सरपंच व वार्ड पंच के चुनाव लड़े जिसमे 29 सदस्यों ने जीत हासिल की। इनको संस्थान द्वारा प्रेरित किया गया कि एकल महिला लीडर्स को भी आगे आना चाहिए।

गरीब एकल महिलाओं की पंचायतीराज चुनाव मे भागीदारी
पंचायतीराज चुनाव 2020

संस्थान द्वारा चलाये गये मतदाता जागरुक अभियान से प्रेरित होकर गरीब एकल महिलाओं ने निभाई चुनाव मे अपनी भागीदारी –

क0	महिला का नाम	पूरा पता	पद	एकल का प्रकार	महिला जो चुनाव में जीती/हारी
1	मानकंवर	ग्रा0पं0 दिल्लीपुरा, तह0 सांगोद जिला कोटा	उपसरपंच	विधवा	जीत हुई –54 वोटों से
2	विमता देवी	ग्रा0पं0 बड़ी खुड़ी, तह0 लक्ष्मणगढ, जिला सीकर	सरपंच	विधवा	जीत हुई
3	अकीला बानो	ग्रा0पं0 पीपल्दा, तह0 इटावा, जिला कोटा	सरपंच	विधवा	फार्म रिजेक्ट
4	आशा हरिजन	ग्रा0पं0 नसीराबाद, तह0 बकानी, जिला झालावाड़	सरपंच	परित्यकता	हार गई।
5	बादाम बाई	ग्रा0पं0 बगदर, तह0 झालरापाटन, जिला झालावाड़	सरपंच	विधवा	फार्म वापस लिया।
6	विद्या पारीक	ग्रा0पं0 भुआखेड़ी, तह0 छबड़ा, जिला बांरा	वार्डपंच	परित्यकता	चुनाव जीती
7	जड़ाव बाई	ग्रा0पं0 भुआखेड़ी, तह0 छबड़ा, जिला बांरा	सरपंच	विधवा	फार्म वापस लिया।
8	सजनी देवी	ग्रा0पं0 भरनी, टोंक ब्लॉक, जिला टोंक	वार्डपंच	स्दवा	जीत हुई
9	संतरा देवी	ग्रा0पं0 बडा नया गांव, तह0 हिण्डोली, जिला बून्दी।	वार्ड पंच	विधवा	जीत हुई
10	गुड्डी देवी	वार्डनं0–22, सुल्तानपुर, जिला कोटा	वार्ड पंच	परित्यकता	जीत हुई
11	सुनिता गुर्जर	ग्रा0पं0 बाछोला, तह0 नैनवां, जिला बून्दी।	वार्ड पंच	तलाकशुदा	हार हुई

12.	मंजीतकौर	ग्रा0पं0 बडा नया गांव, तह0 हिण्डोली, जिला बून्दी	सरपंच	विधवा	**जीत हुई**
13	गुड्डी बाई	ग्रा0पं0 बिनौवा, तह0 रूपवास, जिला भरतपुर	वार्डपंच	विधवा	हार गईं
14	कैसरी माली	ग्रा0पं0 रामपुर पदेवा, तह0 करोली, जिला करौली	वार्डपंच	विधवा	**निर्विरोध जीत**
15	मनभर गुर्जर	गांव दादिया ग्रा0पं0 बरूणी तह0 निवाई, जिला टोंक	सरपंच	विधवा	**जीत हुई**
16	चकौली देवी मीणा	ग्रा0पं0 टिटोड़ी, तह0 जहाजपुर, जिला भीलवाड़ा	सरपंच	विधवा	**जीत हुई**
17	सोहनी देवी	ग्रा0पं0 पलासीया, तह0 जहाजपुर, जिला भीलवाड़ा	वार्डपंच	परित्यकता	हार हुई
18	प्रियल	ग्रा0पं0 पलासीया, तह0 जहाजपुर, जिला भीलवाड़ा।	वार्डपंच	अविवाहित	**जीत हुई**
19	इन्द्रा शर्मा	ग्रा0पं0 पण्डेर, तह0 जहाजपुर, जिला भीलवाड़ा।	वार्डपंच	विधवा	**जीत हुई**
20	रामकन्या बाई	ग्रा0पं0 झालरी, तह0 कनवास, जिला कोटा	वार्डपंच	विधवा	**जीत हुई**
21	ज्योति वैष्णव	पिपल्दा, तह0 ईटावा, जिला कोटा	वार्डपंच	परित्यकता	**120 वोटों से जीती**
22	रामकन्या बाई	गा0पं0 झालरी, तह0 सांगोद, जिला कोटा	वार्डपंच	विधवा	**निर्विरोध जीत**
23	बीना	कनवास, तह0 कनवास, जिला कोटा	वार्ड पंच (विकलांग की पत्नि)	एकल	**जीत हुई**
24	गीता बाई	कादीसहाणा, तह0 शाहपुरा, जिला भीलवाड़ा	वार्डपंच	विधवा	**80 वोटों से जीती**
25	बरफा बाई	ग्रा0पं. बुआखेडी, तह0 छबड़ा, जिला बारां	वार्डपंय	विधवा	हारी

26	मीरां बाई	बुधवाड़ा ग्रा0पं0, तह0 मनोहरथाना, जिला झालावाड़	वार्डपंच	विधवा	हारी
27	कवरी बाई	तह0 बकानी, जिला झालावाड़,	वार्डपंच	विधवा	जीत हुई
28	सन्तोष	पंचायत–सांवरात प स–लाडनु जिला –नागोर	सरपंच	विधवा	हार गई
29	कंकु बाई	गांव–भुरियाखेडा ग्रा0पं0 बडकोचरा, तह0 जवाजा, जिला अजमेर	सरपंच	विधवा	हार हुई
30	कलावती देवी	गंव–मोलेला,पंचायत –मोलेला प स–खमनोर जिला राजसमंद	उपसरपंच	विधवा	जीत हुई
31	भंवरी बाई	गांव–सेलाणा पंवायत–सेलाणा,प स–झाडोल जिला–उदयपुर	वार्डपंच	विधवा	जीत हुई
32	कमला	गांव–माणस पंवायत–सेलाणा पस–झाडोल जिला–उदयपुर	सरपंच	विधवा	जीत हुई
33	नवली बाई	गांव–गोरण पंवायत–सेलाणा पस–झाडोल जिला–उदयपुर	वार्डपंच	विधवा	जीत हुई
34	सुगना	गांव–जेकडा पंवायत–सेलाणा पस–झाडोल जिला–उदयपुर	वार्डपंच	विधवा	जीत हुई
35	मीरा	गांव–जेकडा पंवायत–सेलाणा प0स–झाडोल जिला–उदयपुर	सरपंच	विधवा	जीत हुई
36	सन्तोष	गंव–कानाखेडा, ग्राम पंचायत– तह0 मसुदा जिला–अजमेर	उपसरपंच	विधवा	जीत हुई।
37	जनता	वार्ड–6 प0 स0 –मसुदा	वार्ड पंच	विधवा	जीत हुई।

		जिला– अजमेर			
38	रूपा देवी	प स –फलोदी जिला जोधपुर	वार्ड पंच	विधवा	जीत हुई।
39	जमना	ग्रा0पं0 पछमता, तह0 रेलमगरां, जिला राजसमंद	वार्ड पंच	तलाकशुदा	हार हुई।
40.	रामी	ग्रा0पं0 हकरवास व, तह0 रेलमगरा, जिला राजसमंद	सरपंच	विधवा	हार हुई
41	समुदा	ग्रा0पं0 बांदनवाडी, तह0 जालोर, जिला जालोर।	वार्डपंच	विधवा	हार हुई
42	पारस	ग्रा0पं0 गोदन, तह0 जालोर, जिला जालोर	वार्डपंच	विधवा	**हार हुई**
43	पवनी	ग्राम पंचायत –मोरछ ,प0स0–पिण्डवाडा जिला–सिरोही	सरपंच	अविवाहित	हार हुई

नोट : कुल 43 गरीब एकल महिला लीडर्स पंचायतीराज चुनाव मे वार्ड पंच व सरपंच पद के उम्मीदवारी के लिए खड़ी हुई व 29 लीडर्स की सरपंच व वार्ड पंच के पद पर जीत हुई। एक फार्म रिजेक्ट हुआ दो लीडर्स ने किन्ही कारणों से अपना नाम वापस ले लिया।

इस वर्ष संस्थान के मुख्य मुद्दें :

इस वर्ष संगठन के मुख्य निम्नलिखित रहे –

- आजिविका, रोजगार, का मुद्दा।
- नरेगा, खाद्य सुरक्षा व पोषाहार का मुद्दा।
- स्वास्थ्य का मुद्दा।
- एकल महिला क्षमतावर्धन करना व नये नैतृत्वकर्ताओं की पहचान।
- अधिक से अधिक गरीब एकल महिलाओं तक संस्थान की पहुँच व उनकी समस्या का समाधान करना, व उनको उनका अधिकार दिलवाने का प्रयास।

एकल महिला लीडर्स व वोलियन्टरर्स के सहयोग से एकल महिलाओं को मिले सहयोग व लाभ के वार्षिक आंकड़े

क. सं.	विवरण		संख्या
1	कितने पेंशन फार्म भरे	विधवा	2466
		स्वीकृत हुए	1070
		वृद्धावस्था	1295
		स्वीकृत हुए	593
		परित्यकता	341
		स्वीकृत हुए	138
		थ्वकलांग	394
		स्वीकृत	222
3	कितनी रूकी हुई पेंशन शुरू हुई	विधवा	1456
		वृद्धावस्था	1083
		परित्यकता	207
		थ्वकलांग	02
4	कितनी एकल महिलाओं को संस्थान लीडर्स ने सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं से लाभ दिलाने में मदद की	पन्ना धाय जीवन अमृत योजना फार्म भरे	69
		स्वीकृत हुए	17
		विधवा पालनहार योजना फार्म भरे	1165
		स्वीकृत हुए	396
		निराश्रित बाल–गृह योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा पुर्नविवाह योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा की पुत्री की शादी के फार्म भरे	423
		स्वीकृत हुए	171
		बी.पी.एल सूची में नाम जुड़वाया	207
		राशन की दुकान से अनाज मिला	1220
		काम/रोजगार मिला	2597
		जॉब कार्ड बनवाये	1412
		इन्दिरा आवास योजना के फार्म भरवाये	1368
		स्वीकृत हुए	497

		स्वास्थ्य लाभ हेतु– 1. मुफ्त दवा दिलवाई	2912
		2. ऑपरेशन करवाये	403
5	प्रमाण पत्र बनवाये	मृत्यु प्रमाण पत्र	826
		जन्म प्रमाण पत्र	832
		मूल निवासी प्र0 पत्र	948
		जाति प्रमाण पत्र	896
		आय प्रमाण पत्र	753
		विवाह पंजीयन करवाये	191
6	ग्रामीण विकास कार्य करवाये	हेड़पम्प लगवाये,	181
		खरंचा बनवाया,	107
		बिजली लगवायी	313
		शौचालय बनवाये	
		जनाधार कार्ड बनवाये	40
		आधार कार्ड बनवाये	56
		गैस कनेक्शन दिलवाये	894
		अन्य	
7	कितनी एकल महिलाओं को जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन दिया		5226
8	समझाईश के लिए कितने केस आये व किस प्रकार के?		48
	कितने केसों में सफल समझाईश की?		43
9	कितने महिला अत्याचार/ हिंसा के कितने केस आए	शारीरिक अत्याचार	31
		मानसिक अत्याचार	25
		यौनिक हिंसा	1
10	कितने महिला अत्याचार के कितने केस निपटाए	शारीरिक अत्याचार	22
		मानसिक अत्याचार	11
		यौनिक हिंसा	4
11	कितने जमीन संबधी केस आए	जमीन का बंटवारा	39
		जमीन पर कब्जा	27
12	कितने जमीन संबधी केस निपटाए	जमीन का बंटवारा	15
		जमीन पर कब्जा	5
		अन्य	
15	कितने इंतकाल खाते खुलवाए		57

16	कितने पुलिस केस करवाए	महिला अत्याचार	10
		जमीन संबंधी	03
		अन्य	02
17	कितनी एकल महिलाओं की मदद से रीति–रिवाजों, समाज द्वारा एकल महिला के लिए निर्धारित माप–दंड़ों में परिवर्तन लाया	एकल नारियों के लिए प्रतिबंधित रीति –रीवाजों में भाग लिया	3593
		विधवा मां ने अपने बेटे/बेटी के विवाह की सभी रस्मों में भाग लिया	
		विधवा महिला समाज द्वारा निर्धारित पहनावे/रहन–सहन में परिवर्तन लाई	

❐ चुनौतियां –

- **नयी कार्यकारिणी को वित्तीय प्रबन्धन व प्रशासनिक व्यवस्था क्षमतावर्धन करना।**
- **संस्थान के लिए एफसीआरए लेना।**

मै अबला नादान नही हूँ, दबी हुई पहचान नही हूँ
स्वाभिमान से जीती हूँ , रखती अंदर खुद्दारी हूँ
मै सशक्त एकल नारी हूँ.......।

एकल नारी शक्ति संस्थान वोलियन्टर्स सूची –

क्र0सं0	कार्यकर्ता का नाम	उम्र	जन्म तारीख	ब्लाक	जिला
1.	ममता	32	01.01.1988	नैनवा	बून्दी
2.	अकीला बानो	40	03.03.1980	ईटावा	कोटा
3.	कमलेश कंवर	44	02.09.1976	माण्डलगढ़	भीलवाड़ा
4.	रेखा पारासर	48	09.09.1972	शाहापुरा	भीलवाड़ा
5	रेशमा बानों	30	12.04.1990	टोडारायसिंह	टोंक
6.	ममता	51	16.07.1969	बारां	बांरा
7.	कविता	29	15.08.1991	चुरु	चुरु
8.	छोटी बाई	38	10.02.1982	खण्डार	स0माधोपुर
9.	पार्वती देवी	52	01.01.1968	बन्देडा	भीलवाडा
10	लाली धाकड	52	05.08.1968	जहाजपुर	भीलवाडा
11	जमीला बानो	35	1985	खैराबाद	कोटा
12	प्रेमलता	53	1967	टोंक शहर	टोंक
13	जतन बाई	34	01.01.1986	बकानी	झालावाड़
14	गजराज कंवर	69	1951	कोटा शहर	कोटा
15	माया देवी	36	1984	थानागाजी	अलवर
16	शकुन्तला देवी	54	1966	देवली	टोंक
17	हंसा देवी	59	1961	देवली	टोंक
18	सरोज देवी	36	01.01.1984	उमरेण	टलवर
19	शमीम बानो	52	1968	सुल्तानपुर	कोटा
20	विद्या पारीक	59	01.01.1961	शाहबाद	बंरा
21	सुनिता सेन	36	01.01.1984	हिण्डोली	बून्दी

22	रेखा शर्मा	47	01.01.1973	भादरा	हनुमानगढ
23	पुष्पादेवी	64	01.01.1956	बस्सी	जयपुर
24	सुनिता	43	20.03.1977	लक्ष्मणगढ	सीकर
25	मंशा देवी	43	20.03.1977	झालरापाटन	झालावाड
26	लीला देवी	44	1976	सुनेल	झालावाड
27	कमला शर्मा	54	04.09.1966	बान्दीकुई	दौसा
28	रामेश्वरी देवी	72	1948	श्रीमाधोपुर	सीकर
29	गोलू	36	01.01.1984	के0पाटन	बून्दी
30	राजकोर	32	05.07.1988	रायसिंह नगर	गंगानगर
31	ममता	35	.05.01.1985	मनोहरथाना	झालावाड
32	मुन्नी देवी	73	.01.01.1947	रुपवास	भरतपुर
33	कल्याणी बाई	66	01.01.1954	करोली	क्रोली
34	फूलवती	51	01.01.69	बयाना	भरतपुर
35	उर्मिला	50	03.03.1970	भरतपुर	भरतपुर
36	सरोज कंवर	40	1980	उदयपुरवाटी	झुन्झुनू
37	किरण	36	01.02.1984	पीपराली	सीकर
38	सावित्री देवी	60	07.08.1960	निवाई	टोंक
39	विष्णुकंवर	53	01.01.1967	लालसोट	दौसा
40	सन्तोष कंवर	37	07.10.1983	नवलगढ	झुझुंनू
41	मनकंवर	38	08.05.1982	कनवास	कोटा
42	गायत्री बाई	57	1963	सांगोद	कोटा
43	सोमती देवी	67	01.01.1953	हिण्डोन सिटी	करोली
44	नन्दकंवर	54	29.12.1966	अटरु	बांरा
45	प्रेमवती	51	01.01.1969	बाडी	धोलपुर

46	कुन्ती देवी	49	01.01.1971	बसेडी	धोलपुर
47	शान्ति बाई	63	01.01.1957	दौसा	दौसा
48	ममता	39	01.01.1981	स0माधोपुर	स0माधोपुर
49.	जमीला बानु	47	15.02.1973	सिरोही	
	कचरी	39	01.01.1981	बांसवाडा	
51	नेनु देवी	62	01.01.1958	पाली	
52.	रत्तु	32	1988	बाडमेर	
53	पप्पु देवी	38	1982	बाडमेर	
54	कला देवी माली	57	1963	राजसमन्द	
55	बाला देवी	70	01.01.1950	नागोर	
56	रेखा	33	01.01.1987	बांसवाडा	
57	सुचिता शर्मा	67	25.11.1953	अजमेर	
58	कमला देवी/सत्यनारायण	57	01.06.1963	अजमेर	
59	कमला देवी/ कानमल	54	1966	अजमेर	
60	रूपी देवी	57	01.01.1963	पाली	
61	कमला देवी/ तिलोकाराम	27	01.10.1993	जोधपुर	
62	गीता देवी/ नोरतमल	61	1959	अजमेर	
63	गीता देवी/ सखनलाल	39	01-01-1981	पाली	
64	ममता सिंह	48	1972	अजमेर	
65	मंजुला यादव	46	10-01-1974	डुंगरपुर	
66	हिना बानो	23	10-06-1997	जालोर	
67	सन्तोश	41	20-03-1979	नागोर	
68	लक्ष्मी अहारी	38	01-01-1982	डुंगरपुर	
69	सुनिता देवी	39	1981	अजमेर	
70	जसोदा देवी	66	1954	अजमेर	
71	दरियावदेवी	37	01-01-1983	जोधपुर	
72	कल्पना देवी	55	01-01-1965	डुंगरपुर	
73	मोहिनी देवी	65	07-08-1955	अजमेर	
74	मेना देनी	47	1973	अजमेर	
75	रोशनी	68	01-01-1952	अजमेर	
76	पारस लोहार	47	10-07-1973	राजसमन्द	
77	उर्मिला बाई	36	21-11-1984	राजसमन्द	
78	नुरजहां मंसुरी	46	1974	चितोड	
79	सीता देवी	38	01-01-1982	कोटडा उदयपुर	

80	मेहिनी	69	01-01-1951	जोधपुर
81	रसीदा मेहरू निसार	36	07-08-1984	चितोड
82	पार्वती देवी	56	1964	उदयपुर
83	कमला/धुलिया	39	23-09-1981	बांसवाडा
84	सेवली	56	01-07-1964	उदयपुर
85	धनु मीणा	50	01-01-1970	उदयपुर
86	सरजु मेघवाल	72	01-01-1948	प्रतापगड
87	सावित्री	69	1951	उदयपुर
88	सकन देवी रोत	57	01-01-1963	डुंगरपुर
89	गीता कटारा	42	01-01-1978	डुंगरपुर
90	एजकी मीणा	67	01-01-1953	प्रतापगड
91	सीता देवी	47	01-01-1973	पई, उदयपुर
92	भंवरी	65	1955	झाडोल उदयपुर
93	मीरा बाई	54	01-01-1966	देवला उदयपुर
94	धुली बाई	65 लगभग	-	डुंगरपुर
95	गोमी	35 लगभग	-	जेसलमेर
96	चन्द्रकला शर्मा	42	5-7-1977	कोटा
97	मोहिनी देवी	37	1-7-1983	रायपुर ब्लाक , पाली
98	सुमित्रा भूरिया	46	02-11-1974	कुशलगढ तह0 जिला बांसवाडा
99	गायत्री	31	1-7-1989	जवाजा ब्लाक, अजमेर जिला

संस्थान का मिडिया कवरेज

जयपुर सिटीजन

राजस्थान पत्रिका . जयपुर, बुधवार, 06 नवंबर, 2019 . patrika.com

जश्ने बहिनचारे कार्यक्रम का आयोजन

देश-प्रदेश की एकल नारी, जो लड़ाई लड़कर बनीं चेंजमेकर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में बीस लाख और देशभर में करीब पांच करोड़ महिलाएं अकेले रहने का दंश झेल रही हैं। समाज में मानसिक व शारीरिक रूप प्रताड़ना झेल रही इन एकल महिलाओं में हजारों ने आगे आकर न केवल अपने बल्कि दूसरी महिलाओं के लिए भी लड़ाई लड़ी है। लड़ाई लड़कर वे समाज में चेंजमेकर बनी हैं।

ऐसी ही एकल महिलाओं के संगठन 'एकल नारी शक्ति संगठन' की 20वीं वर्षगांठ पर आदर्श नगर स्थित सेवा सदन में बहिनादूज का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें कई राज्यों की महिलाएं शामिल हुईं। बतौर मुख्य अतिथि सीएम अशोक गहलोत व महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश शामिल हुए।

कार्यक्रम में दांये से लाली धाकड़, जिनी श्रीवास्तव एवं अन्य महिलाएं।

मिला चाय बागान लीडर का खिताब

दार्जिलिंग के रंगलियर लम्बू से कार्यक्रम में शिरकत करने आई महिलाओं के समूह ने बताया कि अक्सर पहाड़ी जगहों पर महिलाओं को घर से बाहर नहीं निकलने दिया जाता। लेकिन समझाइश और जागरूकता के आधार पर आज कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। दार्जिलिंग की बेबिका खवाश ने बताया कि 2015 से अब तक 400 महिलाएं अपने हक की लड़ाई जीत चुकी हैं।

ये बनीं बदलाव की नायक

मूलतः कनाडा निवासी जिनी श्रीवास्तव भारतीय नागरिक ओम श्रीवास्तव से शादी करके सन् 1970 में राजस्थान आईं। यहां उदयपुर में वे रहीं और इस दौरान उन्होंने देखा कि जिन महिलाओं के पति की मृत्यु हो गई या उनके पति ने छोड़ दिया, ऐसी महिलाओं के कई प्रकार की प्रताड़ना का सामना करना पड़ता। उन्हें डायन कहकर मारा-पीटा जाता, रंगीन कपड़े नहीं पहनने दिए जाते। उस समय एकल महिलाएं इसके खिलाफ आवाज भी नहीं उठाती थीं। इसे देखकर जिनी, दूसरी महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं व एकल महिलाओं ने मिलकर वर्ष 1999 में संगठन बनाया। इस संगठन से देशभर से 70 हजार महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

जहाजपुर, भीलवाड़ा निवासी 51 वर्षीय लाली धाकड़ ने बताया कि वह खुद विकलांग और विधवा हैं। डेढ़ साल की उम्र में लाली की शादी होने के बाद 21 साल की उम्र में वह विधवा हो गईं। इसके बाद उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन परिवार ने घर से बाहर निकाल दिया। कठिनाइयां लाली का हौंसला नहीं तोड़ पाईं। संगठन के साथ जुड़कर अब वे दूसरी महिलाओं के लिए लड़ रही हैं। डूंगरपुर, बांसवाड़ा आदि क्षेत्रों में एकल महिलाओं के जीवन में कई बदलाव करवाए। 50 से ज्यादा विधवाओं का पुनर्विवाह करवाया। वहीं 2009 में राष्ट्रीय मंच की ...

सीएम बोले- जब तक घूंघट, महिलाएं आगे नहीं बढ़ सकतीं

कार्यक्रम में सीएम अशोक गहलोत ने घूंघट हटाकर बैठी महिलाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जब तक घूंघट रहेगा, तब तक महिलाएं आगे नहीं बढ़ सकतीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को डायन बता दिया जाता है। जबकि डायन जैसा कुछ नहीं होता। उन्होंने कहा कि स्कूल्स के बाद ड्रॉप आउट बालिकाओं को सरकार सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण भी दिलवाएगी।

No more *ghunghat ki aadh mein*: CM's pledge to women

Gehlot says women must inculcate Indira Gandhi's passion for struggle

Naresh Sharma

Jaipur: Chief Minister Ashok Gehlot while calling upon women to eradicate social evils present in the society has said that the state government is committed towards empowerment of women. Speaking at a ceremony to commemorate the 20th anniversary of 'Ekal Naari Shakti Sangathan' Gehlot attacked the social evils like '*ghunghat pratha*' (veil), witch branding and others.

Speaking on the occasion as chief guest, Gehlot elaborated upon the social evils which affect the women and encouraged them by giving example of Iron Lady Indira Gandhi and said that the women present in the function were like 'Durga' and added that passion of struggle which was in former Prime Minister Indira Gandhi should be there in every women of the country. He said Indira Gandhi sacrificed her life for the country and former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee had referred to her as 'Durga'.

Speaking about women empowerment, CM mentioned that previously the country was called '*purush pradhan*' (male dominated) but now the situation has changed. Previously husbands of women sarpanchs used to sit in the meeting, but now women have themselves come in the forefront.

Attacking 'ghunghat pratha' prevalent in villages, Gehlot said that women should not be confined to 'ghunghat'. Giving the details of the works which are being done by government for upliftment of women, Gehlot said that strict orders have been given to police to take immediate action in case of crime against women. CM also attacked the social evil witch branding and honour killing and said that there were no witches and ghosts and said that he himself is 'magician' but magic is merely trick and the rest is drama.

Gehlot said that when Rajiv Gandhi was the PM, then 73rd and 74th amendments in Constitution were made which empowered women and they have become ward panch, sarpanch, pradhan, pramukhs and mayors. He said that the post of Dy SP at every district has been created who will investigate cases of crime against women.

Turn on P4

Chief Minister Ashok Gehlot with Women and Child Development Minister Mamta Bhupesh at the 20th anniversary function of Ekal Nari Shakti Sangathan. —PHOTO BY NAIM KHAN

मतदान की शपथ दिलाते हुए अधिकारी एवं उपसित जनसमूह।

महिलाएं बोली– बस! अब और नहीं, उठानी होगी आवाज

मेरा वोट मेरा अधिकार को लेकर महिलाओं का मार्च

नवज्योति/कोटा

एकल नारी शक्ति संस्थान के तत्वावधान तथा शांति सद्भसवना मंच, भारतीय सामाजिक संस्थान नई दिल्ली, पहचान सेवा समिति, संवेदना सेवा समिति के प्रतिनिधियों के सहयोग से महिलाओं ने मेरा वोट मेरा अधिकार मार्च निकाला। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्री चौराहे पर किया गया। रैली के रूप में महिलाएं अदालत चौराहा पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने मानव श्रृंखला का बनाई। एकल नारी शक्ति संस्थान की समन्वयक चंद्रकला शर्मा ने कहा कि औंरते उठी नहीं तो जुल्म बढ़ता जाएगा। ऐसे में महिलाओं को अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। देश की आधी आाबादी महिलाओं की है। इसके बाद भी भय, डर और असुरक्षा में जी रही है। महिलाओं को अपने वोट की ताकत को समझना होगा। वोट उनका संवैधानिक अधिकार है जिसे ...

52 सहभागियों ने लिया भाग

महिलाओं के वोटों के अधिकारों के लिए निकाले गए मार्च में 52 महिला सहभागियों ने भाग लिया। एडवोकेट सामु सारलेट ने महिलाओ को से कहा कि आज भी महिलाओं को बराबरी दर्जा नही है। संगठन टीम लीडर रीना शर्मा ने कहा कि सभी सरकारे हमारे सशक्तिकरण की बात तो करती है लेकिन उसके लिए कोई ठोस रणनीति या आयोजना सरकार के पास नही है। संगठन लीडर गजराज कंवर ने कहा कि अपराधियों में पुलिस का कोई भय नहीं है। पुलिस प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती। शांति सद्भावना संस्थान के स्टेट कोर्डिनेटर अनवार अहमद खान ने कहा कि देश मे शांति सद्भावना व सौहार्दपूर्ण वातावरण की ...

कोटा। शुक्रवार 17 जनवरी 2020

दैनिक चम्बल संदेश

अस्पताल में हुई बच्चों की मौत पर परिजनों को मिले मुआवजा

जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

संदेश न्यूज। कोटा.

जेकेलोन में बच्चों की हुई मौत के मामले में जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान ने जिला कलक्ट्री पर प्रदर्शन कर पीड़ित को उचित मुआवजे की मांग की है।

संस्था की चन्द्रकला शर्मा ने बताया कि जेकेलोन में लगातार अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से मासूमों की मौत हो रही है। मासूमों की मौत से पूर्व परिजनों ने उनका उपचार कराया जिसमें काफी खर्च हो गया है। सरकार को उन्हें मुआवजा देना चाहिए, वहीं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि अस्पताल में एक शिकायत केन्द्र होना चाहिए ताकि वहां पीड़ित अपनी शिकायत दर्ज करा सके। उन्होंने कहा कि जेकेलोन में स्वास्थ्य सेवाएं ठीक से संचालित नहीं की जा रही। जहां पर भी कमियां हैं उन्हें दूर करना चाहिए। उन्होंने क्षतिपूर्ति के रूप में प्रत्येक बच्चे के परिजन को पांच-पांच लाख रुपए दिए जाने की मांग की है।